

|    |   |    |
|----|---|----|
| 10 | ἠθέλες ὅταν δε γηρασης ἐκτε-                          | 23 |
| 11 | νεις τας χειρας σου καὶ ἄλλος                         | 24 |
| 12 | σε ζῶσει καὶ οἴσει ὅπου οὐ θέλεις                     | 26 |
| 13 | <sup>19</sup> τοῦτο δε εἶπεν σημαίνων ποίω            | 24 |
| 14 | θανάτῳ δοξάσει τὸν $\overline{\theta\nu}$ καὶ του-    | 24 |
| 15 | το εἰπὼν λέγει αὐτῷ ἀκολουθεῖ                         | 24 |
| 16 | μοι <sup>20</sup> ἐπιστράφεις ὁ πέτρος                | 21 |
| 17 | βλέπει τὸν μαθητὴν ὃν ἠγάπα                           | 23 |
| 18 | ὁ $\overline{\iota\eta\varsigma}$ ἀκολουθοῦντα ὡς καὶ | 21 |

*Zeilen 03-18 ergänzt*